साढ़े छह साल में प्रदेश में बनीं 5000 किमी नई सड़कें

सरकार ने कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए नौ हजार करोड़ रुपये खर्च किए

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने का काम युद्धस्तर चल रहा है। गांव, तहसील, ब्लॉक मुख्यालय, अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय सीमा वाले मार्ग, चीनी मिल क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, धर्मार्थ मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण पर काम हो रहा है। इस दौरान लगभग पांच हजार किमी सड़कों का जाल बिछाने का काम किया गया है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने करीब नौ हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

शासन ने पीडब्ल्यूडी को 26 तहसील व 153 ब्लॉक मुख्यालयों को दो लेन मार्ग से जोड़ने के निर्देश दिए थे। इसके लिए विभाग को 1,617 किमी की सड़क के लिए 2,653 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। अब तक 26 तहसील व 131 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ दिया गया है। शेष 22 ब्लॉक मुख्यालयों में काम चल रहा है। इसके अतिरिक्त पीडब्ल्यूडी ने शेष एक तहसील और दस ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने के लिए 48 किमी सड़क के लिए 174 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा है।

वहीं, 25 शहरों से होकर गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के लिए 94 मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। उन्हें 1,126 किमी की सड़क के लिए 2,171 करोड़ की धनराशि दी गई। इनमें 81 मार्ग का काम पूरा कर लिया गया है। ढाई सौ से अधिक आबादी वाले गांवों को मुख्य मार्ग (500 मीटर से कम दूरी) से कनेक्ट करने के लिए 1,928 कार्य स्वीकृत किए गए। ऐसे में 2,107 किमी की सड़क के लिए 1,679 करोड़ रुपये की धनराशि दी गई। इनमें से 563 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

अब तक 26 तहसील और 131 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ा गया

प्रदेश के चीनी मिल परिक्षेत्र में मार्गों के लिए 1,074 कार्यों को चिह्नित किया गया है। करीब 1,127 किमी की सड़क के लिए 384 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। दूसरे चरण में 626 मार्गों के लिए 200 करोड़ खर्च किए जाएंगे। 139 करोड़ से 9.6 किमी के मार्ग का काम चल रहा है। औद्योगिक विकास विभाग की ओर से 21 कार्यों को कराने के लिए 1,922 करोड़ रुपये का प्रस्ताव मिला है।